चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	13.3.24	12	4-8

दी जाएगी जानकारी

खेती में ड्रोन का महत्व रहेगा मेले का मुख्य विषय

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला 18 से, तैयारियां शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। इस वर्ष मेले का विषय खेती में ड्रोन का महत्व होगा। पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीक की जानकारी भी दी जाएगी।

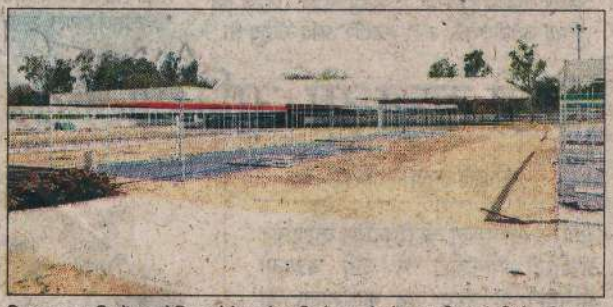

हिसार। हकृवि में आयोजित होने वाले कृषि मेला को लेकर की जा रही तैयारियां।

खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग : कुलपति

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन के द्वारा कम समय में केमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत होने के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। साथ ही उन्हें ड्रोन का उपयोग करना भी समझाया जाएगा। इस मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निमार्ताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

स्टॉलों की बुकिंग जारी : डॉ. यादव

संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल ह्यपहले आओ, पहले पाओह्ल के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए दोनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

मिट्टी व पानी की जांच भी करा सकेंगे किसान : डॉ. मंडल

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले की तैयारियों शुरू कर दी गई है। मेले में हरियाणा व आसपास के राज्यों से आने वाले किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी समाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.3.24	4	7-8

एचएयू में कृषि मेला 18-19 मार्च को लगेगा 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा मुख्य विषय

बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र प्रदर्शित होंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला खरीफ का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। कुलपति ने कहा कि खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन के द्वारा कम समय में केमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत होने के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। साथ ही उन्हें ड्रोन का उपयोग करना भी समझाया जाएगा।

इस मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

कृषि मेला (खरीफ)-2024 के बारे में और जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नं. 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की तरफ से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विवि के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की तकनीक की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। फसल प्रतियोगिताएं की जाएंगी। किसानों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	13.3.24	9	2-4

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 18-19 मार्च को

■ मेले का मुख्य विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा

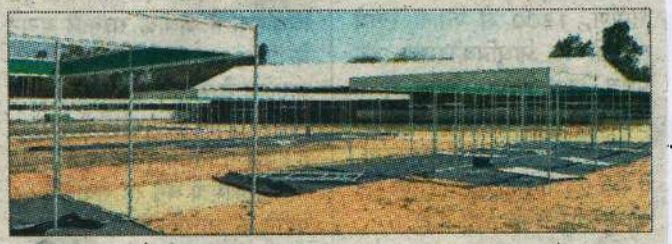

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। कुलपति ने कहा कि खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन के द्वारा कम समय में केमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत होने के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। साथ ही उन्हें ड्रोन का उपयोग करना भी समझाया जाएगा। इस मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निमार्ताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

कृषि मेला (खरीफ)-2024 के बारे में और जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं। इस मेले में एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी भी लगाई जाती है जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लुवास तथा हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त विभिन्न कृषि निविष्टों तथा फार्म मशीनरी बनाने वाली कंपनियां भी भाग लेकर अपनी टेक्नोलॉजी प्रदर्शित करती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.3.24	5	6

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (खरीफ) 18-19 मार्च को

इस वर्ष कृषि मेला (खरीफ) का मुख्य विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा

हिसार, 12 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। कुलपति ने कहा खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन के द्वारा कम समय में केमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत होने के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। साथ ही उन्हें ड्रोन का उपयोग करना भी समझाया जाएगा। इस मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। कृषि मेला (खरीफ)-2024 के बारे में और जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीक की जानकारी भी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए दोनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इस मेले में एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी भी लगाई जाती है जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लुवास तथा हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त विभिन्न कृषि निविष्टों तथा फार्म मशीनरी बनाने वाली कंपनियां भी भाग लेकर अपनी टेक्नोलॉजी प्रदर्शित करती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.3.24	5	6

एचएयू में कृषि मेला 18-19 मार्च को

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। कुलपति ने कहा खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन से कम समय में केमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। इस मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

कृषि मेले का मुख्य विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा

कृषि मेला (खरीफ)-2024 के बारे में और जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13.3.24	3	8

हकृवि में कृषि मेला 18 व 19 को

हिसार, 12 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा।

कुलपति ने कहा खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन के द्वारा कम समय में कैमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत होने के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। साथ ही उन्हें ड्रोन का उपयोग करना भी समझाया जाएगा। इस मेले में किसानों के साथ बीज, ऊर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.03.2024	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (खरीफ) 18 व 19 को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। कृषि मेला (खरीफ)-2024 के बारे में और जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईज़र के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीक की जानकारी भी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	12.03.2024	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (खरीफ) 18-19 मार्च को

(चिराग टाइम्स न्यूज)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 18-19 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। कुलपति ने कहा खेती में ड्रोन का महत्व आज समय की मांग है। ड्रोन के द्वारा कम समय में केमिकल फर्टीलाइजर व पेस्टिसाइड का उपयोग आसानी से किया जा सकता है, जिससे कम लागत होने के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत होगी। साथ ही उन्हें ड्रोन का उपयोग करना भी समझाया जाएगा। इस मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। कृषि मेला (खरीफ) 2024 के बारे में और जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईज़र के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीक की जानकारी भी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए दोनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।